S-355

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-610

ज्योतिषशास्त्र एवं यात्रा विमर्श-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. भावफल से आप क्या समझते हैं? यात्राकालीन सूर्य एवं चन्द्रमा के भावफल लिखिए।

2. वशिष्ठ संहिता के अनुसार शुक्र विचार का लेखन कीजिए।

3. 'पूर्वकालामृत' में प्रतिपादित यात्रा के 'यत्रंक स्वरूप' का वर्णन करें।

4. ज्योतिषशास्त्र और यात्रा पर टिप्पणी लिखिए।

5. यात्रा में प्रशस्त वार, नक्षत्र, योग एवं लग्न का वर्णन कीजिए।

अथवा

त्रिविध यात्रा से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. यात्रा में शकुन विचार क्यों आवश्यक है?

2. यात्रा में कृत्य कर्मों का उल्लेख करें।

3. गुरु एवं शुक्र के अस्त होने पर त्याज्य कर्म कौन-कौन से हैं?

4. यात्रा मुहूर्त्त का लेखन कीजिए।

5. गुरु, शुक्र एवं शनि ग्रह का भावफल लिखिए।

6. गोचर से क्या तात्पर्य है? फल सहित वर्णन करें।

7. मुहूर्त्तचिन्तामणि के अनुसार यात्राकालीन भावफल का उल्लेख करें।

8. सम्मुख शुक्र दोष विचार का लेखन कीजिए।